

चयन पुं. (तत्.) 1. इकट्ठा करने का कार्य, संग्रह, संचय 2. चुनने का कार्य 3. यज्ञ के लिए अग्नि का संस्कार 4. क्रम से लगाने की क्रिया 5. क्रम से रखना या लगाना।

चयनिका स्त्री. (तत्.) 1. चुनी हुई रचनाओं का संग्रह (कविता, कहानी आदि का) पत्र-पत्रिकाओं का विशिष्ट स्तंभ जिसमें अन्य पत्रों से लिए हुए लेखांश, टिप्पण आदि दिए जाते हैं 2. चयन करने वाली स्त्री।

चयनीय वि. (तत्.) चयन करने योग्य।

चर पुं. (तत्.) 1. वह व्यक्ति जो राज्य या राष्ट्र की ओर से देश-विदेश की बातों पर छिपकर पता लगाने के लिए नियुक्त हो, जासूस, गुप्त दूत, गूढ़ पुरुष 2. किसी विशेष कार्य के लिए कहीं भेजा गया आदमी, दूत 3. वह जो चले 4. ज्योतिष में देशांतर, जिसकी सहायता दिनमान निकालने में ली जाती है 5. खंजन पक्षी 6. कौड़ह, कपर्दिका 7. मंगल, भौम 8. दलदल, कीचड़ 9. नदियों के बीच में बालू का बना हुआ टापू 10. छिछला पानी **वि. (तत्.)** 1. अपने आप चलने वाला, जंगम 2. अस्थिर 3. खाने वाला, आहार करने वाला।

चरई स्त्री. 1. (देश.) पशुओं को चारा-पानी देने के लिए पत्थर आदि का बना हुआ हौज 2. तार की खूँटी।

चरक पुं. (तत्.) 1. दूत, कासिद, चर 2. गुप्तचर, भेदिया, जासूस 3. वैद्यक के प्रधान आचार्य, जिनका रचा हुआ 'चरक-संहिता' ग्रंथ आयुर्वेद का प्रधान ग्रंथ माना जाता है 4. मुसाफिर, बटोही, पथिक 5. भिखमंगा 6. बौद्धों का एक संप्रदाय, एक प्रकार की मछली 7. सफेद कुष्ठ का दाग।

चरकटा पुं. (देश.) 1. चारा काटने वाला व्यक्ति 2. तुच्छ मनुष्य 3. अयोग्य व्यक्ति।

चरक संहिता स्त्री. (तत्.) चरक मुनि का बनाया हुआ वैद्यक संबंधी सर्वमान्य और प्राचीन उपलब्ध संस्कृत ग्रंथ।

चरका पुं. (फा.) 1. हल्का घाव, जख्म, खरोंच 2. गरम लोहे से दागने का निशान 3. हानि, नुकसान, धक्का 4. धोखा।

चरख पुं. (फा.) 1. पहिए के आकार का गोल घूमने वाला चक्कर, चाक 2. खराद 3. सूत कातने का चरखा 4. गोफन, ढेलबाँस 5. वह गाड़ी जिस पर तोप चढ़ी रहती है 6. लकड़बग्घा नामक जंगली हिंसक पशु 7. बाज की तरह की शिकारी चिड़िया।

चरखड़ी स्त्री. (देश.) एक प्रकार का दरवाजा।

चरख पूजा स्त्री. (फा.-चर्ख+तत्.) एक प्रकार की पूजा जो चैत की संक्रांति को होती है विशेष. इसमें खंभे पर बरछा लगाकर लोग गाते बजाते और नाचते हुए चक्कर लगाते हैं और बरछे से अपनी जीभ या शरीर छेदते हैं, बाण नामक शैव राजा ने अपना रक्त चढ़ाकर शिव को प्रसन्न किया था जिसकी स्मृति में यह पूजा होती थी, यह ब्रिटिश शासन काल में बंद कर दी गई थी।

चरखा पुं. (फा.) 1. हाथ से सूत कातने का काष्ठ निर्मित यंत्र 2. रहट/कुएँ से पानी निकालने का यंत्र 3. ईख का रस निकालने के लिए बनी लोहे की मशीन 4. सूत लपेटने की गरारी, चरखी, रील, घिरनी 5. बड़ा या बेडौल पहिया 6. रेशम खोलने का 'उड़ा' नामक औजार 7. वह स्त्री या पुरुष जिसके सब अंग बुढ़ापे के कारण शिथिल हो गए हैं 8. झंझट का काम 9. कुश्ती का एक पेंच।

चरखी स्त्री. (देश.) 1. घूमने वाला चक्कर 2. चाक 3. ओटनी 4. छोटा चरखा 5. सूत लपेटने की फिरकी 6. एक आतिशबाजी जो चक्कर खाते हुए घूमती है 7. जुलाहों का एक औजार 8. कुएँ से पानी निकालने की गरारी 9. हिंडौला।

चरचना स.क्रि. (तद्.) 1. चंदन केसर आदि का लेप करना 2. पहचानना 3. लड़ना 4. भाँपना 5. पूजा करना।

चरचर स्त्री. (अनु.) चरचराने की ध्वनि या स्थिति।

चरचरा वि. (अनु.) दे. चिड़चिड़ा।